पाठ - 1

वह चिड़िया जो

कठिन शब्द

1. रुचि
2. उँडेलकर
3. अन्न
4. खातिर
5. विजन
6. मुँह
7. जुंडी
8. संतोषी
9. प्यार
10. निर्जन

पाठ 1

शब्दार्थ

1. रुचि से - चाव से
2. जुंडी - ज्वार
3. रस से - स्वाद लेकर
4. संतोषी - संतोष करने वाली
5. कंठ - गला
6. बूढ़ा - पुराना
7. रस उड़ेल कर - मधुर स्वर में
8. जल का मोती - जल की बूँद
9. गरबीली - गर्व करने वाली
10. दिल टटोल कर - दिल की बात जानकर

पाठ - 1

पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या

1 वह चिड़िया है जो ..... अन्न से प्यार है

प्रसंग प्रस्तुत पद्यांश केदारनाथ अग्रवाल द्वारा रचित कविता 'वह चिड़िया जो' से लिया गया है। इसमें कवि अपने अंदर की कल्पित चिड़िया का वर्णन करते हुए अपने संतोषी स्वभाव को स्पष्ट किया है।

व्याख्या कवि के अंदर की कल्पित चिड़िया कहती है कि मैं नीले पंखोंवाली चिड़िया हूँ जिसे ज्वार के दाने बहुत पसंद है। मुझे इन्हें खाने से बहुत स्वाद मिलता है। मैं नीले पंखो वाली अपने भोजन से संतुष्ट चिड़िया हूँ। इसके माध्यम से कवि ने अपने संतोषी स्वभाव को प्रस्ट किया है।

2 वह चिड़िया जो ..... मुझे विजन से बहुत प्यार है।

प्रसंग प्रस्तुत पद्यांश केदारनाथ अग्रवाल द्वारा रचित कविता 'वह चिड़िया जो' से लिया गया है। इसमें कवि ने चिड़िया के माध्यम से अपने जंगल प्रेम को प्रस्ट करते हुए अपने स्वभाव की मधुरता स्पष्ट की है।

व्याख्या कवि के भीतर की कल्पित चिड़िया कहती है कि मैं पुराने जंगल के लिए खुले गले से मधुर गीत गाती हूँ। मैं उस पुराने जंगल की मुँहबोली बेटी के समान नीले पंखोंवाली छोटी सी चिड़िया हूँ। मुझे जंगल से बहुत प्यार है।

PAGE NO.:
DATE: / /200

उ- वह चिड़िया जो . . . . . मुझे नदी से बहुत प्यार है।

प्रसंग- प्रस्तुत पदयांश केदारनाथ अग्रवाल द्वारा रचित कविता 'वह चिड़िया है जो' से लिया गया है। इसमें कवि ने अपने अंदर की कल्पित चिड़िया के माध्यम से अपने साहस और स्वाभिमान को प्रकट किया है।

व्याख्या- प्रस्तुत पंक्तियों में कवि के भीतर कल्पित चिड़िया गर्व से कहती है कि वह उफनती नदी का जल ऐसे ही नही पीती बल्कि वह पूरे साहस के साथ नदी के हृदय की बात को जानकर सीधे नदी में अपनी चोंच में पानी की बूँदरूपी मोती लेकर पीती है। वह छोटी स्वाभिमानी चिड़िया है जो बिना नदी के आज्ञा के एक बूँद पानी भी नही लेती है। उस चिड़िया को नदी से बहुत प्यार है

पाठ-1

प्रश्नोत्तर

प्र०1 तुम्हें कविता का कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहोगे? उपयुर्क्त शीर्षक सोचकर लिखो।

उत्तर नीले परवों वाली चिड़िया

प्र०2 इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीजों से प्यार है।

उत्तर चिड़िया को अन्न से, जंगल से और नदी से बहुत प्यार है।

प्र०3 आशय स्पष्ट करो—

(क) रस उड़ेलकर गा लेती है

उत्तर इसका आशय यह है कि चिड़िया के गाने की आवाज अत्यन्त मधुर है। वह अपने मीठे स्वर से नीरस जंगल में भी आनंद की अनुभूति करा रही है।

(ख) चढ़ी नदी का दिल टटोलकर
जल का मोती ले जाती है।

उत्तर इसका आशय है कि चिड़िया उफनती हुई नदी की इच्छा जानकर अपनी चोंच में मोती जैसे साफ जल की बूँ ले जाती है। क्योंकि वह स्वाभिमानी है।